

छात्रावासों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति और बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : कलेक्टर

भोजन, स्वच्छता और शिक्षा की गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान, अधीक्षक मुख्यालय में रहकर करें दायित्वों का निर्वहन

सीधी। जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में अधीक्षक-अधीक्षिकाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों की उपस्थिति, भोजन, स्वच्छता, शैक्षणिक गुणवत्ता, योजनाओं के लाभ और छात्रावासों की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी छात्रावासों एवं आश्रमों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रतिदिन अपडेट की जाए। विद्यार्थियों को मेन्यू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और साफ-



भेजने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आश्रम शालाओं का नियमित निरीक्षण करने और शिक्षकों के समय पर उपस्थित नहीं होने की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीधी शहर में आयोजित विन्ध्य महोत्सव में कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्रावासों के विद्यार्थियों को

प्रतियोगिता बताते हुए सभी अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को छात्रावासों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कहा। मूल्यांकन में भोजन, वॉशरूम, शौचालय, परिसर की स्वच्छता एवं बाहरी व्यवस्था तथा भवन की स्थिति सहित अन्य व्यवस्थाओं को आधार बनाया जाएगा।

दिसंबर माह में जिले के छात्रावासों में निवासरत छात्राओं के बीच यूथ गेम्स एवं कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

कलेक्टर ने अधीक्षकों को विद्यार्थियों की तैयारी कराने के निर्देश दिए। साथ ही कुछ अधीक्षकों का चयन कर नवोदय विद्यालयों के छात्रावासों का भ्रमण कराने तथा वहां की बेहतर व्यवस्थाओं एवं नवाचारों को अपने

उपायुक्त सहकारिता राजेश खत्री निलंबित

बिना सूचना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने पर कमिश्नर ने की कार्यवाही

सीधी। रीवा संभाग के कमिश्नर शोलेन्द्र सिंह ने उपायुक्त सहकारिता सीधी राजेश खत्री को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, जिला सीधी निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

जारी निलंबन आदेश के अनुसार राजेश खत्री ने 20 अगस्त 2026 को उपायुक्त सहकारिता के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। इसके बाद वे बिना किसी पूर्व सूचना के कर्तव्य से अनुपस्थित रूप से अनुपस्थित रहे। 27 अगस्त को ग्राम बम्हनी में नई समिति के उद्घाटन कार्यक्रम में भी उनकी अनुपस्थिति रही। आदेश में कहा गया है कि उनकी अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण विभागीय

कार्य प्रभावित हुए तथा सहकारिता से संबंधित प्रकरणों के निराकरण में बाधा उत्पन्न हुई। प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम में सहकारिता से संबंधित प्रकरणों का निराकरण भी प्रभावित हुआ।

कलेक्टर सीधी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में खत्री के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित की गई थी। कमिश्नर ने बिना पूर्व सूचना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने तथा नियंत्रणकर्ता अधिकारी को सूचित नहीं करने को पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता माना है।

यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 एवं 7 के विपरीत तथा गंभीर कदाचरण की श्रेणी में माना गया। इसके आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत निलंबन की कार्यवाही की गई है।

प्रो.विजय अग्रवाल के निधन पर शोक सभा

सीधी। प्रागतिशील लेखक संघ इकाई सीधी ने आज सम्पन्न महत्वपूर्ण बैठक में प्रागतिशील लेखक संघ के वरिष्ठ साथी वसुधा के पूर्व संपादक मंडल सदस्य प्रोफेसर विजय अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। इकाई अध्यक्ष सोमेश्वर सिंह के अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वर्गीय अग्रवाल दीर्घकाल तक अवधेश प्रताप सिंह



विश्वविद्यालय रीवा में प्राध्यापक रहे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद वह स्थाई रूप से भोपाल में रह रहे थे। जहां कल अचानक हृदयाघात से उनका दुःखद निधन हो गया। शोकसभा में प्रलेस सीधी के संरक्षक राजेंद्र भदौरिया, प्रांतीय सचिव शिव शंकर मिश्रा सरस, जगदीश प्रसाद मिश्रा, अशोक तिवारी अकेला राजीव सिंह चौहान ,कमलापति गौतम, गणेश प्रसाद विकट ने अपनी विम्व्र श्रद्धांजलि दी।

अवैध रेत परिवहन करते डंपर जल्ल

सीधी। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग की कार्यवाई लगातार जारी है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन और जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज दल ने रविवार को गोपदबनास एवं बहरी तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में जांच की। जांच के दौरान जमोड़ी तिराहा पर खनिज रेत का अनाधिकृत परिवहन करते पाए जाने पर डंपर क्रमांक डक3७७10581 को जब्त किया गया। जब्त वाहन को सुरक्षार्थ थाना प्रभारी, पुलिस थाना जमोड़ी की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

विद्यार्थियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं, जिले में 22 नए शाला भवनों का होगा निर्माण

कलेक्टर ने 20 शाला भवनों के लिए ग्राम पंचायतों के खातों में जारी कराई 25 प्रतिशत राशि

सीधी। जिले में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में 22 नवीन शाला भवनों का निर्माण किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा राज्य मद से जिले की 24 प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के नवीन भवनों की स्वीकृति दी गई थी। इनमें दो शालाओं में पूर्व से अन्य मद से निर्माण अथवा रिपेयरिंग का कार्य हो जाने के कारण नवीन भवन की आवश्यकता नहीं है।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर अब 20 स्वीकृत शाला भवनों के निर्माण के लिए संबंधित

ग्राम पंचायतों के खातों में प्रथम किस्त के रूप में 25 प्रतिशत राशि जारी की जा रही है। शेष दो शाला भवनों के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा बैंक खाता विवरण उपलब्ध कराने के बाद राशि जारी की जाएगी।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत शाला भवनों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भवन निर्माण में निर्धारित मापदंडों और तकनीकी गुणवत्ता से

किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। विकासखंड सीधी में उकरहा, सलैया, बघमरिया, शिवपुरवा नंबर-2 एवं सलैहा की शालाओं के भवनों का निर्माण किया जाएगा। रामपुर नैकिन विकासखंड में बेलदह, चुरहट, मौरा एवं बागढखास की शालाएं शामिल हैं। वहीं मझौली विकासखंड में सिरौला, सिकरा, टिकरी, दरिया, नौढ़िया एवं चौहानन टोला की विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के नवीन भवन बनाए जाएंगे। इनमें प्राथमिक शाला पुतुरिहा, माध्यमिक शाला बलियार, माध्यमिक शाला

बघमरिया, प्राथमिक शाला बघमरिया, प्राथमिक शाला बेलहाई, प्राथमिक शाला रक्सा टोला, प्राथमिक शाला करनपुर कलारन, माध्यमिक शाला रामनगर, माध्यमिक शाला गमरोहर, प्राथमिक शाला गरियरा टोला, प्राथमिक शाला रैदुअरिया खुर्द, प्राथमिक शाला सिरौला, प्राथमिक शाला आदर्श सिकरा, प्राथमिक शाला कन्या टिकरी, प्राथमिक शाला लोडावर, माध्यमिक शाला घोघी, प्राथमिक शाला बैगान टोला, प्राथमिक शाला मसुरिहा एवं प्राथमिक शाला गोडान टोला अकौना शामिल हैं। इसके

अलावा ग्राम पंचायत बड़खरा 740 की शासकीय प्राथमिक शाला बड़खरा 740 एवं शासकीय प्राथमिक शाला बड़खरा 735 के लिए संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा खाता विवरण प्रस्तुत किए जाने के बाद राशि जारी की जाएगी।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा कार्य में अनावश्यक विलंब नहीं होने देने के निर्देश दिए हैं। नए भवनों का निर्माण पूरा होने से इन शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

जनसेवा और सामाजिक नेतृत्व की मिसाल रहे पंडित बृजबिहारी मिश्रा 'बनारसी महाराज

शहडोल। शहडोल अंचल के सामाजिक जीवन में पंडित बृजबिहारी मिश्रा 'बनारसी महाराज' का नाम लंबे समय तक प्रभावशाली एवं सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में लिया जाता रहा। सामाजिक अनुशासन, न्यायप्रियता, त्वरित निर्णय क्षमता और जनसेवा के लिए पहचाने जाने वाले पंडित मिश्रा ने ग्रामीण क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े अनेक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लगभग वर्ष 1936 में उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मेढ़ौरा में संस्कारसमृद्ध ब्राह्मण परिवार में जन्मे पंडित बृजबिहारी मिश्रा के पिता पंडित मधुरा प्रसाद मिश्रा और माता श्रीमती संजोगिया देवी मिश्रा थीं। बाल्यावस्था में वे अपने ननिहाल



विशेष रूप से स्मरण किया जाता है। इस कार्य में तत्कालीन प्रतिष्ठित जननेता एवं गुजरात के पूर्व राज्यपाल श्री कृष्णपाल सिंह का भी सहयोग बताया जाता है। दोनों के बीच आत्मीय एवं सम्मानपूर्ण संबंध रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में जल उपलब्धता और संरक्षण के लिए तालाबों तथा कुओं के निर्माण, गांवों में सड़क एवं आवागमन सुविधाओं के विस्तार तथा किसानों से संबंधित आधारभूत

सुविधाओं के विकास में भी उनकी भूमिका रही। गिरवर धाम में सोसायटी उपार्जन केंद्र के निर्माण से जुड़े कार्यों में भी उनके योगदान का उल्लेख मिलता है।

क्षेत्रीय समाज में पंडित बृजबिहारी मिश्रा को 'बनारसी महाराज' के नाम से विशेष सम्मान प्राप्त था। ग्रामीणों के बीच उनकी पहचान ऐसे व्यक्तित्व के रूप में थी, जिनकी बात को गंभीरता से सुना जाता था और जिनके निर्णयों को सामाजिक स्तर पर महत्व दिया जाता था। उनकी कार्यशैली में अनुशासन, स्पष्टता और न्यायप्रियता प्रमुख मानी जाती थी।

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी मिश्रा ने भी पारिवारिक जीवन

खड़ी खुर्द-बगईहा टोला सड़क पीएमजीएसवाई-4 की प्राथमिकता सूची में

सीधी। म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की परियोजना क्रियान्वयन इकाई सीधी ने बताया कि विकासखंड रामपुर नैकिन के अंतर्गत खड़ी खुर्द से बगईहा टोला तक 5.07 किलोमीटर लंबी सड़क को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-ए की प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है। यह सड़क प्राथमिकता सूची में क्रमांक 17 पर है।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक ने बताया कि सड़क निर्माण में भारत सरकार की पीएमजीएसवाई-ए गाइडलाइन, निर्धारित पात्रता और

5.07 किमी सड़क रामपुर नैकिन ब्लॉक की प्राथमिकता सूची में 17वें स्थान पर, भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार होगा निर्माण

पीएम आभा (डीएजेजीयूए) योजना के तहत स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए गए हैं। प्राथमिकता सूची में क्रमांक 17 पर शामिल खड़ी खुर्द-बगईहा टोला सड़क के निर्माण की प्रक्रिया भी निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप ही आगे बढ़ेगी।

भारत सरकार से योजना के तहत सड़क निर्माण के लिए आवश्यक राशि का आवंटन उपलब्ध होने तथा निर्धारित पात्रता एवं प्राथमिकता पूरी होने के बाद सड़क के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जा सकेगी।

गणेश स्कूल में नन्हे हाथों ने मिट्टी में उकेरा गणपति का मनमोहक स्वरूप

सीधी। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में स्थानीय एसजीएसएस (गणेश स्कूल), पड़रा में श्रद्धा, उल्लास और रचनात्मकता से भरपूर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों की सहभागिता से विद्यालय परिसर गणपति की भक्ति और उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

आयोजन का विशेष आकर्षण कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों की क्ले मॉडलिंग गतिविधि रही। विद्यार्थियों ने अपने नन्हे हाथों से मिट्टी को आकार देकर भगवान श्री गणेश की सुंदर एवं आकर्षक



देखने को मिली। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा और कल्पनाशक्ति को विकसित करने के साथ उन्हें भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाती हैं। हेडमिस्ट्रेस माइमा सिमंस ने कहा, मिट्टी के गणपति बनाकर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का महत्व भी समझा। इस अवसर पर किड्स गणेश की ईंचार्ज कोमल वाधवानी, प्राइमरी कोऑर्डिनेटर रेखा शर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

अवैध निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर संयुक्त कार्यवाई के निर्देश

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम सीधी में जिले के समस्त मदिरा अनुज्ञप्तिधारियों तथा आबकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीधी जिले में सागर जैसी कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर एवं प्रभावी कार्यवाई की जाए। पुलिस और आबकारी विभाग आपसी समन्वय से ऐसे स्थानों को चिह्नित करें, जहां अवैध शराब से



जुड़ी गतिविधियां संचालित होने की आशंका है।

बैठक में निर्देश दिए गए कि मुखबिर तंत्र एवं सूचना तंत्र को सक्रिय कर अवैध शराब के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जाए। चिह्नित स्थानों पर पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम तत्काल कार्यवाई करे।

बैठक में अवैध शराब के

कारोबार में बार-बार संलिस पाए जाने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार कर पुलिस एवं आबकारी विभाग के बीच साझा करने के निर्देश दिए गए। ऐसे अवहन अपराधियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 45 के तहत प्रकरण दर्ज करने की कार्यवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने शहर के मुख्य मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्थित शराब दुकानों के आसपास शाम के समय पुलिस गश्त अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। साथ ही मदिरा अनुज्ञप्तिधारियों को भी नियमों का कड़ाई से पालन करने और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल

प्रशासन को देने के लिए निर्देशित किया गया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस एवं आबकारी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लगातार निगरानी और कार्यवाई जारी रखी जाएगी, ताकि जिले में जहरीली अथवा अवैध शराब से संबंधित किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को पूरी तरह रोका जा सके।

बैठक में जिला आबकारी अधिकारी संतोष सिंह कुशवाह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी सहित पुलिस एवं आबकारी विभाग के अधिकारी तथा जिले के समस्त मदिरा अनुज्ञप्तिधारी उपस्थित रहे।



संपादकीय

अमेरिका में ‘दफा हो जाओ मिस्टर सिंह’, विवादित पोस्टर, सिख समुदाय में भारी आक्रोश

अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने व्यावसायिक चालकों के खिलाफ विज्ञापन में ‘मिस्टर सिंह’ का नाम देकर नस्ली पूर्वाग्रह दर्शाया। सिख समुदाय के कड़े विरोध के बाद विवादित पोस्टर वापस लेना पड़ा। इस दौर में ‘एक विश्व, एक परिवार’ या ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ जैसे नारों के साथ दुनिया के आगे का रास्ता तय करने की बातें की जा रही हैं, उसमें अगर किसी खास समूह या वर्ग को लक्षित करके उसे हाशिये से बाहर करने का संदेश प्रचारित किया जाए, तो इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है।अमेरिका में गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाले व्यावसायिक चालकों के खिलाफ अपने अभियान को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई छवियों का इस्तेमाल किया, जिसमें सूत्रवाक्य यह दिया गया था कि ‘दफा हो जाओ मिस्टर सिंह, तुम्हें वाहन चलाना नहीं आता.।’निश्चित रूप से नियमों को ताक पर रखने वाले चालकों से सड़क पर दूसरों के जीवन के लिए भी खतरा ही होता है। इसलिए इस तरह सड़क पर जोखिम बनने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई पर शायद ही किसी को आपत्ति हो, लेकिन इस बहाने से जिस तरह प्रचार में एक खास समुदाय को चिह्नित करने वाले वाक्यांश का इस्तेमाल किया गया, उसने सड़क को सुरक्षित बनाने के समूचे विज्ञापन को ही सवालों के घेरे में ला खड़ा किया।इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जिस अमेरिका में श्वेत वचंस्व, नाजीवाद और फासीवाद जैसे नस्ली विचारों का व्यापक विरोध होता रहा है, वहां किसी पोस्टर में दुराग्रहों का ऐसा प्रदर्शन खुद सरकार के मातहत एक विभाग के जरिए हो। स्वाभाविक ही अमेरिका में रहने वाले सिख समुदाय सहित अन्य लोगों ने भी इस पर तीखी आपत्ति जाहिर की और पोस्टर को ‘नस्लवादी’ और ‘भारत विरोधी’ बतायाहो सकता है कि अमेरिका में कुछ ऐसे सड़क हदसे हुए हैं, जिनमें चालक की पहचान वहां अवैध रूप से रहने वाले भारतीय के रूप में पाई गई हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं हो जाता कि इस बहाने ‘सिंह’ उपनाम से पहचाने जाने वाले समूचे समुदाय को निशाना बनाया जाए। लेकिन सवाल है कि आधुनिक मूल्यों का वाहक होने का दावा करने वाले अमेरिका में आज भी इस तरह की संकीर्ण नस्ली दृष्टि कैसे फल-फूल रही है कि वह किसी सकारी महकमे के विज्ञापन में भी अभिव्यक्त हो जाती है!

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

(ललित गर्ग)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हुआ।विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन

चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्दाओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन

संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे दोस फैसेल भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल ‘पश्चिम के विकल्प’ के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को

संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच ब्रिक्स, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यह सवाल उठाने का अवसर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ते योगदान के अनुरूप वैश्विक संस्थाओं में उनकी हिस्सेदारी क्यों न बढ़े। दक्षिण



अफ्रीका के शामिल होने के बाद 2011 में ‘ब्रिको का ‘ब्रिक्स’ बनना इसके विस्तार का पहला बड़ा पड़ाव था। इसके बाद 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात तथा 2025 में इंडोनेशिया के पूर्ण सदस्य बनने से समूह 11 देशों तक पहुंच गया। साझेदार देशों की बढ़ती संख्या ने इसका दादरा और व्यापक कर दिया है। अब ब्रिक्स एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण अमेरिका की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर लाता है। यह विस्तार केवल संख्या नहीं है, इसके साथ बाजार, ऊर्जा, संसाधन, जनसंख्या और रणनीतिक प्रभाव भी बढ़ा है लेकिन यही विस्तार ब्रिक्स की सबसे बड़ी चुनौती भी है। अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं, आर्थिक संरचनाओं और विदेश नीति की प्राथमिकताओं वाले 11 देशों के बीच साझा एजेंडा बनाना पहले की तुलना में कहीं कठिन है। भारत-चीन की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, रूस की भू-राजनीतिक स्थिति और पश्चिम एशिया के तनाव इसके सामने जटिल समीकरण पैदा करते हैं यानी ब्रिक्स की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है और यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी बन सकती है। भारत ने 2026 की अध्यक्षता के लिए ‘लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण’ की थीम

चुनकर इसी चुनौती का व्यावहारिक उत्तर देने की कोशिश की है। ‘मानवता प्रथम’ की भावना से जुड़ा यह दृष्टिकोण ब्रिक्स को भू-राजनीतिक नारों से निकालकर विकास के ठोस एजेंडे से जोड़ता है। भारत की अध्यक्षता में 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा, आर्थिक एवं वित्तीय तथा सांस्कृतिक एवं जन-से-जन संपर्क इसके तीन प्रमुख स्तंभ रहे हैं। अब असली परीक्षा यह है कि इन बैठकों के निष्कर्ष कितने ठोस परिणामों में बदलते हैं। ब्रिक्स की आर्थिक प्रासंगिकता का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र स्थानीय मुद्दाओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान है। डॉलर की भूमिका कम करने की चर्चा लंबे समय से होती रही है लेकिन साझा ब्रिक्स मुद्रा निकट भविष्य में व्यावहारिक लक्ष्य नहीं दिखती। सदस्य देशों की मौद्रिक नीतियां, आर्थिक संरचनाएं और वित्तीय बाजार काफी अलग हैं। इसलिए अधिक यथार्थवादी रास्ता यह है कि स्थानीय मुद्दाओं में व्यापार बढ़े, भुगतान प्रणालियां आपस में जुड़ें और सीमा-पार लेन-देन की लागत घटे। यहीं भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना का अनुभव महत्वपूर्ण हो जाता है। यूपीआई, डिजिटल पहचान और लैंड डिजिटल ढांचे ने भारत में कम लागत पर बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन को संभव बनाया है। यदि ऐसे मॉडलों को ब्रिक्स देशों के बीच सुरक्षित और अंतर-संचालनीय तरीके से जोड़ा जा सके तो यह केवल तकनीकी सहयोग नहीं होगा बल्कि विकासशील देशों के लिए व्यापार और वित्त का नया आधार तैयार कर सकता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक इस दिशा में ब्रिक्स की सबसे ठोस संस्थागत उपलब्धियों में है। 2014 में स्थापित इस बैंक ने यह दिखाया कि ब्रिक्स केवल वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में सुधार की मांग करने वाला समूह नहीं, विकासशील देशों की जरूरतों के लिए वैकल्पिक वित्तीय क्षमता बनाने वाला मंच भी हो सकता है। आगे स्थानीय मुद्रा वित्तपोषण, बुनियादी ढांचे और सतत विकास में इसकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो सकती है। ब्रिक्स का एजेंडा अब वित्त तक सीमित नहीं है। खाद्य, ऊर्जा और स्वास्थ्य सुरक्षा भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। महामारी ने चिकित्सा आपूर्ति शृंखलाओं की कमजोरियां उजागर की

जबकि युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के जोखिम बढ़ाए हैं। महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा, उर्वरक, दवाओं और कृषि तकनीक की विश्वसनीय आपूर्ति शृंखलाएं बनाने में सहयोग ब्रिक्स को वास्तविक आर्थिक ताकत दे सकता है। प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका अगला निर्णायक क्षेत्र है। डिजिटल कृषि, भू-स्थानिक तकनीक और एआई का इस्तेमाल छोटे किसानों की उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने में किया जा सकता है। इसी तरह स्टार्टअप, एमएसएमई और डिजिटल कौशल के क्षेत्र में सहयोग उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच नई आर्थिक कड़ियां बना सकता है। लेकिन ब्रिक्स की असली पहचान आर्थिक परियोजनाओं से भी आगे तय होगी। सवाल यह है कि क्या यह पश्चिम-विरोधी गठबंधन बनेगा? ब्रिक्स की ताकत किसी दूसरे शक्ति-गुट्ट का प्रतिरूप बनने में नहीं, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने में है। वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाने का अर्थ पश्चिम से टकराव नहीं, वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में अधिक संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इसलिए ब्रिक्स की ‘ब्रिंक’ कितनी मजबूत है, इसका उत्तर उसके 11 सदस्यों की संख्या में नहीं, उनके बीच बनने वाली परस्पर निर्भरता में छिपा है। यदि यह समूह व्यापार को आसान बनाता है, विकास के लिए वित्त उपलब्ध कराता है, तकनीकी समाधान साझा करता है और वैश्विक दक्षिण को निर्णय-निर्माण में अधिक प्रभावी आवाज देता है तो इसकी नींव मजबूत मानी जाएगी। भारत के सामने इस अवसर को आकार देने की बड़ी जिम्मेदारी है। उसे ब्रिक्स को किसी देश या शक्ति के विरुद्ध खड़ा करने के बजाय विकास, सहयोग और बहुध्रुवीयता का व्यावहारिक मंच बनाना होगा। तब ब्रिक्स केवल 11 देशों की इमारत नहीं रहेगा बल्कि ऐसी विश्व व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है, जिसमें वैश्विक दक्षिण दर्शक नहीं, बल्कि निर्णय का सक्रिय भागीदार हो।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और ‘सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति’ सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तर्ग पहेली 6212

1	2	3	4	5	6
7				8	
9			10	11	12
13		14		15	16
		17			
	18			19	20
21				22	
		23		24	

संकेत: बाएं से दाएं

- पाकिस्तान, सऊदी अरब और 53 अरब इस्लामी देशों ने 16 जुलाई 2003 को य निर्णय लिया गया कि इस देश को 2005 तक मान्यता दी जाएगी (5)
- यह विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है (2)
- बलराम के नामों में से एक, बलभद्र (4)
- श्रीमान, महोदय, महाराय (3)
- तीन बुद्धियों वाला नाक का पत्ता (3)
- मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
- प्रयोगशाला को अजीबो में यह कहते हैं (2)

- खरिस्थ, बोट, सक्कीन (4)
- यह उत्तरप्रदेश में बहने वाली एक नदी है इसका पौराणिक नाम पद्मवती है (3)
- सह परा का, निकटउत्तरीय (2)
- सह एक बाल्लभदेवी नविका है (4)
- मूल कारण, वनहट , हेतु (3)
- नी सीसा न जकर बलखाला हुए मया हो (5)
- वन्यजानु, जंगली, पशुपाली (5)
- स्वर्ण, प्रयोजन, अर्थ, मकसद (4)
- संज्ञित में स्वर्ण के विशेष क्रम, शास्त्रीय संगीत की रचना (3)
- अध्यक्ष, शिक्षक, गुरु (3)
- चंद्रम के तय 10 मोहों में से एक का नाम, आखेटित पशु, हिरण (2)

श्री	ह	रि	को	ल	न	ति
म	वा	ज	ना	ल	वु	म
न	वा	ज	ना	ल	वु	म
न	वा	ज	ना	ल	वु	म
म	ह	ता	व	धे	रू	
म	नी	म	त	धि	रू	ल
	ता	त	भा	वृ	र	

उत्तर से नीचे

- आरंभिक, प्राथमिक, शुरुआती (5)

बढ़ता व्यापार घाटा- भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चुनौती और नीतिगत सुधार का अवसर

(जयंतीलाल भंडारी)

चीन व रूस से भारी आयात के कारण भारत का व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। इसे नियंत्रित करने हेतु हरीत ऊर्जा, स्थानीय विनिर्माण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और नए निर्यात बाजारों की खोज जरूरत है। भारत के विदेश व्यापार पर हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में व्यापार घाटा बढ़ने पर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सितंबर 2026 की रिपोर्ट में भारत के बढ़ते व्यापार घाटे और उसके प्रभावों पर अहम विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सितंबर के पहले सप्ताह में रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ कर 4.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.5 फीसद) तक पहुंच गया है। 25 फीसद में स्पष्ट किया गया है कि वस्तु व्यापार घाटे में 12 फीसद की उछाल दर्ज की गई है। वैश्विक संगठन ‘मैकिन्से ग्लोबल ट्रेड अपडेट’ सितंबर 2026 के अनुसार, मध्य-पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल तथा कोयले की वैश्विक कीमतों में वृद्धि ने भारत के आयात बिल और व्यापार घाटे को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों की बढ़ती मांग ने चीन से होने वाले आयात को और बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत का वस्तु निर्यात करीब 15 फीसद बढ़ा है, लेकिन आयात में 19 फीसद से अधिक की तीव्र वृद्धि के कारण विदेश व्यापार घाटा ऊर्चाई पर पहुंच गया है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी भारत के बढ़ते

व्यापार घाटे के आंकड़े केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि रणनीति बदलने का अवसर है। व्यापार घाटे को कम करने के लिए आयात पर प्रतिबंध लगाने के बजाय आयात प्रतिस्थापन, निर्यात विविधीकरण और सेवा क्षेत्र के विस्तार की रणनीति के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। व्यापार घाटा कम करने के लिए सेवा क्षेत्र को घाटे की भरपाई का मुख्य हथियार बनाना होगा। वैश्विक कंपनियों को भारत में ही अपने अनुसंधान और क्षमता केंद्र खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इससे एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), डेटा विश्लेषण और उच्च-स्तरीय परामर्श सेवाएं का निर्यात भारत से बढ़ेगा, जिससे वीजा प्रतिबंध बेअसर हो जाएंगे। बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण करना होगा। बजटीय पूंजीगत व्यय को तेजी से धरातल पर उतार कर अवसंरचना को मजबूत करने की जरूरत है। बेहतर बुनियादी ढांचे से परेल्ड उद्योगों की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और निजी निवेश आकर्षित होगा। इन प्रयासों के साथ-साथ विदेश व्यापार घाटे को काबू में करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों, दवा सामग्री और दुर्लभ खनिज के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने की जरूरत है। गैर-जरूरी आयात पर कड़े शुल्क और नियंत्रण लागू कर विदेशी सामानों पर निर्भरता कम की जानी चाहिए। निर्यात के लिए कुछ विशिष्ट राज्यों और उद्यमों पर निर्भर रहने के बजाय नए राज्यों की भागीदारी बढ़ानी होगी। आटोमोबाइल, रक्षा सामग्री और इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात पर विशेष ध्यान केंद्रित करना होगा। मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का देशहित में प्राथमिकता देते हुए प्रभावी उपयोग करना होगा। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता लागू करने के प्रयास करने होंगे।

आज का राशिफल

मे़ष
आज पैसों की व्यवस्था और काम में सफाई रखना होगा। आज पैसों को सही ढंग से संभालना का दिन है। रुकें हुए बिल, पुराने खर्च या किसी वादे को लेकर सही योजना बनाना जरूरी होगा। किसी के दबाव में आकर किसी को पैसा उधार न दें। कोई सामान खरीदना चाहते हैं तो पहले उसे तौलन जगह पता कर लें और फिर फैसला लें।

मिथुन
आज जल्दबाजी से बचाव और काम को प्राथमिकता देना होगा। पैसों के मामले पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देना होगा। किसी सुंदर चीज को देखकर तुरंत पैसे खर्च न करें। किसी भी बड़े सौदे या लेन-देन से पहले थोड़ा समय लें और हिसाब जरूर जांचें। दफ्तर में आज काफी हलचल और भागदौड़ रह सकती है।

सिंह
आज पैसों को लेकर आपकी सोच थोड़ी बदल सकती है। सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिए पैसा खर्च करने को मन नहीं करेगा। यह समय अपनी जरूरतों को सीमित रखने और बेवजह के खर्च रोककर अपनी वित्तीय नींव मजबूत करने का है। काम की जगह पर थोड़े ठहराव की जरूरत है।

वृष
आज बचत का ध्यान और साधियों का सहयोग मिलेगा। पैसों की स्थिति ठीक-ठाक रहेगी और समझदारी से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। हर महीने होने वाले खर्चों और पुरानी जरूरतों को जांचकर फालतू खर्च रोकें। कारोबार करने वालों को किसी भुगतान या नए मौके की अच्छी खबर मिल सकती है।

कर्क
आज पैसों की स्थिति को लेकर मन में भरोसा बना रहेगा। अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने की इच्छा मजबूत होगी। घर या परिवार से जुड़ा कोई खर्च सामने आ सकता है। बचत और भविष्य के लिए योजना बनाकर चलना ही फायदेमंद साधन है। दफ्तर में आपको अपनी मेहनत का सही नतीजा मिलेगा।

कन्या
आज पुरानी रुकावटें और काम में लगन लगाना होगा। पैसों के मामले में थोड़ा धीरज रखना होगा। लंबे समय की बचत और अचानक आए खर्चों के बीच संतुलन बनाना पड़ सकता है। हर समस्या को एक साथ सुलझाने की जिद न करें। कहीं भी बड़ा कदम उठाने से पहले पूरी जानकारी जुटाएं।

तुला
आज सही हिसाब और काम में निखार आएगा। एक साथ हैं। इससे आपका दिमाग पैसों के हिसाब-किताब में बहुत सटीक काम करेगा। खातों को देखने, बजट बनाने और पुराने बिल निपटाने के लिए बड़िया दिन हैं। किसी छोटी गलती को सही समय पर पकड़ लेंगे, जिससे आने वाला नुकसान रुक जाएगा।

धनु
आज खर्च पर लगाम और साफ बात करना होगा। पैसों को सही तरीके से चलाने की जरूरत है। कमाई और निवेश के कई विचार आ सकते हैं, पर हर विचार पर तुरंत पैसा न लगाएं। सफर या पढ़ाई से जुड़े खर्चों पर ध्यान दें कि उनसे आपको आगे जाकर क्या फायदा मिलने वाला है।

कुंभ
आज संभलकर कदम और नई योजना बनाते समय सावधान रहें। नए-नए तरीकों से पैसा कमाने का मन हो सकता है। बिना जांच-परख के कोई कदम न उठाएं। सुनी-सुनाई बातों या रातों-रात फायदा देने वाले दावों से दूर रहें। काम में कुछ नया करने का मन होगा।

वृश्चिक
आज लेन-देन में संतुलन और मीठी बोली होगी। पैसों की बात को शांति से सुलझाने में मदद करेंगे। अगर किसी के साथ मिलकर कारोबार कर रहे हैं या साझा खर्च हैं, तो हर बात पहले से साफ रखें। मीठी बोली से पैसों से जुड़े मसले आसानी से हल हो जाएंगे।

मकर
आज नियम से बचत और अधिकारियों का सम्मान करना होगा। आपकी समझदारी आज पैसों की स्थिति को सही रखेगी। बचत को मजबूत करने और पुरानी देनदारियों को कम करने पर ध्यान रहेगा। घर के खर्च सामने आ सकते हैं, पर अपने तय बजट से बाहर न जाएं। धीरज से काम लेना ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

मीन
आज खातों की जांच और रुका काम पूरा होगा। पुराने वादों, भुगतानों और अपनी बचत की फिर से जांच करें। जल्दबाजी में किसी से कर्ज लेने या देने से बचें। धीरे-धीरे उदायोग एक कदम ही आपकी स्थिति सुधारेगे। अपने करियर के सपने को लेकर मन में विचार आ सकते हैं कि मौजूदा काम सही है या नहीं।

संक्षिप्त

समाचार

बिहार : वैशाली में हिंदू संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर पर हमला, अज्ञात अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

वैशाली, एजेंसी। बिहार के वैशाली जिले में एक हिंदू संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर पर हमला हुआ है। शनिवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने उनके घर को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। गनीमत रही कि इस हमले में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है। यह घटना वैशाली जिले के अदलपुर गांव में हुई। बताया गया कि यहां ‘हिंदू पुत्र संगठन’ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव ब्रह्मर्षि के सामने अज्ञात अपराधियों ने करीब 10 राउंड फायरिंग की। घटना की अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। गोलियों के निशान घर के मुख्य गेट और खिड़कियों पर मिले हैं। देर रात हुई इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से 10 खोखे बरामद किए हैं। वारदात की गंभीरता को देखते हुए वैशाली एसएसपी शुभाक्ष मिश्रा खुद भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की कमान संभाल ली। एसएसपी की निगरानी में पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस फायरिंग करने वाले अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। घटना के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी, इसे लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। इससे पहले, शनिवार को सीतामढा में मॉर्निंग वॉक पर निकले जिला परिषद सदस्य के पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना डुमरा थाना क्षेत्र के कैथरिया गांव में हुई। मृतक की पहचान बैधनाथ महतो के रूप में की गई। बताया गया कि बैधनाथ महतो शनिवार सुबह अपने घर से मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया। अपराधियों ने उन पर कई गोलियां चलाईं। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर : गंगबल यात्रा 2026 की तैयारी का डीसी ने लिया जायजा, 15 सितंबर तक काम पूरा करने के निर्देश

गांदरबल, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) जतिन किशोर ने शनिवार को नारनाग मंदिर का दौरा किया और आम वाली सालाना गंगबल यात्रा 2026 के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। दौरे के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया और तैयारियों व चल रहे कामों का विस्तार से आकलन किया। उन्होंने संबंधित विभागों को सौंपे गए विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और उन्हें समय पर पूरा करने के लिए जरूरी निदेश दिए। डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने सौंपे गए कार्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करें और यह सुनिश्चित करें कि 15 सितंबर तक सभी तैयारियां पूरी हो जाएं। डिप्टी कमिश्नर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति, जनरेटर बैकअप के साथ बिना रुकावट बिजली की व्यवस्था, और तय जगहों पर पर्याप्त टेंट व शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को यह भी निर्देश दिया कि वे तय रास्ते और निर्धारित जगहों पर सड़क के सही रखरखाव, ट्रैफिक कंट्रोल, साफ-सफाई व स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य जरूरी इंतजामों को सुनिश्चित करें।

ब्रिक्स डिनर में दिखा मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम का संगीतमय अंदाज

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत में लगभग 61 साल पहले आई फिल्म तीन दैवियां कई मायनों में खास हैं। अभिनय और पटकथा के अलावा फिल्म के गीत-संगीत छह दशकों के बाद भी फिल्म और गीत-संगीत से प्रेम करने वाले लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इस फिल्म के गीत- ' ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' के प्रशंसकों में एक नाम मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का भी है। उन्होंने खुद इसकी मिसाल भी पेश की है। देश में हर साल 14 सितंबर को मनाए जाने वाले हिंदी दिवस से पहले इस भाषा से प्रेम की अनोखी मिसाल सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दरअसल, दिल्ली में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन से इतर अनवर इब्राहिम की गायिकी सोशल मीडिया वीडियो के माध्यम से सामने आई। वीडियो में इब्राहिम भारत के पियानो बजाने वाले कलाकार के साथ फुरसत के पलों में ' ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत ' गाना गुनगुनाते देखे गए। एक्स हैडल पर ये वीडियो साझा किए जाने के बाद यूजरों ने दिलचस्प कमेंट्स भी किए हैं। किशोर कुमार की आवाज में रिकॉर्ड इस सदाबहार फिल्मी गीत के लिरिक्स मजरूह सुलतानपुरी ने लिखे हैं।

किरण बेदी की दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से बड़ी मांग, नेताओं और अधिकारियों की संपत्तियों का हो खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने दिल्ली में प्रशासनिक व्यवस्था और संपत्तियों के प्रबंधन को लेकर एक बार फिर बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली के सत्य निकेतन ह्दसे और हलिया व्यवस्थागत सुधारों पर मुखर रहने वाली किरण बेदी ने अब दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को एक खुला ऑनलाइन प्रार्थना पत्र लिखा है, उन्होंने मांग की है कि दिल्ली के मौजूदा और पूर्व विधायकों, पार्षदों तथा नगर निगम के अधिकारियों की संपत्तियों का ब्योरा सार्वजनिक किया जाए।

पत्र में पूछा है ये सवाल : किरण बेदी ने अपने इस ऑनलाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से अदालत का ध्यान दिल्ली में पनप रहे कथित भाई-भतीजावाद और नियमों की अनदेखी को और आकर्षित किया है। पत्र में उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित किया है, पत्र में उन्हें पूछा, 'क्या दिल्ली हाई कोर्ट मौजूदा और पूर्व विधायकों, पार्षदों और एमसीडी के अधिकारियों को यह बताने का निर्देश दे सकता है कि उनके पास या उनके परिवार के नाम पर कौन-कौन से संपत्तियां हैं?' बेदी का आरोप है कि दिल्ली में कई ऐसी संपत्तियां हैं, जिनके संचालन और अधिग्रहण को लेकर यह संदेह है कि वे कानून व नियमों का उल्लंघन करके चलाई जा रही हैं। चाहे वह अवैध कमर्शियल निर्माण का मामला हो या फिर नियमों को ताक पर रखकर



बिजनेस चलाने का, इसके पीछे लंबे समय से चला आ रहा सांठगांठ का कल्चर जिम्मेदार है।

जनता की निगरानी और सुरक्षा : पूर्व आईपीएस अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि जिन जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों पर अपने-अपने इलाकों में कानून का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है, यदि वही इस तरह के मामलों से जुड़े तो सुरक्षा और कानूनी चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक है। जनता यह उम्मीद करती है कि उनके प्रतिनिधि व्यवस्था के संरक्षक बनेंगे, न कि इसके शोक्क।

प्रशासनिक विफलता और सुपरविजन की कमी : इससे पहले भी किरण बेदी ने प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि दिल्ली में बार-बार सामने आने वाली त्रासदियों और

अनियमितताओं का मुख्य कारण सुपरविजन (निगरानी) के स्तर पर भारी कमी और इच्छाशक्ति का अभाव है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा था कि यदि किसी के घर के बाहर रेत या सीमेंट का एक कट्टा भी रखा हो, तो संबंधित तंत्र के नुमाइंदों को तुरंत उगाही का अवसर नजर आ जाता है, लेकिन बड़े अवैध निर्माण आंखें मूंदकर चलाए जाते हैं। बेदी ने चेतावनियों के बावजूद समय पर कार्रवाई न होने को प्रशासनिक विफलता करार दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि सरकारी विभागों को तकनीक का इस्तेमाल कर अपनी निरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि इस भ्रष्टाचार के पैटर्न से किसे फायदा पहुंच रहा है।

किरण बेदी का मानना ​​है कि सरकारी तंत्र को अलग-अलग खानों में बंटी इकाइयों की तरह नहीं, बल्कि एक संपूर्ण 'मानव शरीर' की तरह काम करना चाहिए, जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन का संचार जरूरी है, उसी तरह शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही की सफा हवा का होना अनिवार्य है। अब देखना यह होगा कि दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत इस खुली ऑनलाइन प्रार्थना पर अदालत का क्या रुख रहता है और क्या राजधानी के राजनेताओं व अधिकारियों की संपत्तियों की पारदर्शिता को लेकर कोई बड़ा निर्देश सामने आता है या नहीं।

सीएम सैनी बोले- अब पंजाब की ओर करने फोकस, आप व कांग्रेस से तंग आ चुकी है जनता

सिरसा, एजेंसी। मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी ने कहा है कि अब वह पंजाब की ओर भी अपना फोकस करने जा रहे हैं, क्योंकि वहां बन रहे राजनीतिक और सामाजिक हालात को देखते हुए इसकी जरूरत महसूस हो रही है। सिरसा दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस व आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों ने पंजाब की जनता से बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन सत्ता में आने के बाद जनता की उम्मीदों पर धरे नहीं उठे। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अच्छी-अच्छी बातें कहकर पंजाब के लोगों से वोट लिए, लेकिन बाद में उनका शोषण किया। यही कारण रहा कि पंजाब की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। इसके बाद अरविंद केजरीवाल ने लोगों को झूठे सपने दिखाए और खुद को कट्टर ईमानदार बताते हुए पंजाब के विकास का भरोसा दिलाया। अब आम आदमी पार्टी की सरकार से भी अब पंजाब की जनता तंग आ चुकी है। मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी ने पंजाब में नये की समस्या को लेकर भी आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने राज्य से नशा खत्म करने का वादा किया था, लेकिन मौजूदा हालात सभी के सामने हैं। आप सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उठी। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों का ध्यानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास बढ़ रहा है और आने वाले समय में पीएम मोदी के नेतृत्व में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी।

छत्तीसगढ़: होटल में चाय पी रहे भाजपा नेता पर पुराने दोस्त ने पीछे से किया चाकू से हमला, वारदात के बाद फरार



दुर्ग-भिलाई, एजेंसी। दुर्ग जिले के उदई थाना क्षेत्र के जोरतराई में शनिवार सुबह भाजपा नेता राजेंद्र यादव पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि राजेंद्र यादव रोजाना की तरह एक होटल में चाय पी रहे थे। इसी दौरान उनका पुराना दोस्त वहां पहुंचा और पीछे से उनकी गर्दन पर चाकू से वार कर दिया।

अचानक हुए हमले से होटल में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हमले के बाद आरोपी चाकू लहराते हुए मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी हमला करता हुआ दिखाई दे रहा है।

3-4 साल से बंद थी दोनों की बातचीत : घायल भाजपा नेता ने पुलिस को बताया कि आरोपी से उनकी पहले अच्छी दोस्ती थी, लेकिन पिछले 3-4 वर्षों से दोनों के बीच बातचीत नहीं थी। राजेंद्र यादव के मुताबिक उनके और आरोपी के बीच किसी तरह की दुश्मनी या पुरानी रंजिश भी नहीं थी। हमले में घायल राजेंद्र यादव को उपचार के

लिए भिलाई के सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

वीडियो के आधार पर आरोपी की तलाश : घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने सामने आए वीडियो फुटेज को भी जांच में शामिल किया है। आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है।

एसएसपी बोले- जल्द गिरफ्तार होगा आरोपी : दुर्ग ग्रामिण एसएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि जोरतराई गांव में दो लोगों के बीच मारपीट की घटना हुई है। इसमें एक व्यक्ति ने दूसरे पर चाकू से हमला किया और मौके से फरार हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीकानेर: 65 लाख की एम्बरग्रीस बरामद, मिलिट्री इंटेलिजेंस और पुलिस ने 3 आरोपियों को पकड़ा

बीकानेर , एजेंसी। शहर में खुफिया एजेंसियों और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए करोड़ों के अवैध वन्यजीव कारोबार से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। कोटोट्ट थाना क्षेत्र में मिलिट्री इंटेलिजेंस, सीआईडी-सीबी और कोटगेट पुलिस की टीम ने जाल बिछाकर 650 ग्राम एम्बरग्रीस बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 65 लाख रुपये आंकी जा रही है।

अवैध सौदे की सूचना पर बिछाया जाल : सीओ सिटी अनुज डाल ने बताया कि एम्बरग्रीस को आम बोलचाल में च्ले मछली की उल्टी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल महंगे परफ्यूम और कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने में किया जाता है। पुलिस को एम्बरग्रीस के अवैध सौदे की सूचना मिली थी। इसके बाद मिलिट्री इंटेलिजेंस, सीआईडी-सीबी और कोटगेट पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की और आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

तीन आरोपी पकड़े, दो नाबालिग : ऑपरेशन के दौरान टीम ने तीन लोगों को पकड़ा। इनमें दो नाबालिग हैं, जबकि

एक बालिग आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में तीनों के महाराष्ट्र के रत्नागिरी निवासी होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वे बीकानेर में किसके संपर्क में थे। पुलिस के अनुसार बरामद 650 ग्राम एम्बरग्रीस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 65 लाख रुपये आंकी गई है। एम्बरग्रीस को वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत प्रतिबंधित श्रेणी में माना जाता है। इसके व्यापार और खरीद-फरोख्त पर रोक है। पुलिस ने इस मामले में वाइल्ड लाइफ एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि एम्बरग्रीस के इतनी बड़ी खेप बीकानेर तक कैसे पहुंची, इसे किसने भेजा था और इसके खरीदार कौन थे। साथ ही नेटवर्क में जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

बेंगलुरु में पुलिस ने बाल मजदूरी में लगे 500 से ज्यादा बच्चों को बचाया

बेंगलुरु, एजेंसी। बाल मजदूरी रोकने के लिए चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान शनिवार को शहर की अलग-अलग जगहों पर मजदूरी में लगे 503 बच्चों को बचाया गया, पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का मकसद बाल मजदूरी को रोकना और मजदूरी में लगे बच्चों की पहचान करके उन्हें छुड़ाना था, पुलिस के अनुसार, शहर के सभी डिवीजन में गोदामों, बाजारों, होटलों, लॉज, बेकरी, बस स्टॉप, रेलवे स्टेशनों, अपार्टमेंट, निर्माण स्थलों आदि की जांच के लिए अधिकारियों के नेतृत्व में कई टीमें बनाई गई थीं.

पुलिस ने बताया कि कुल 5897 जगहों की जांच की गई और मजदूरी कर रहे 503 बच्चों को बचाया गया, पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु शहर में



बाल मजदूरों से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ बाल मजदूर (निषेध और विनिमन) एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम के तहत कुल

18 मामले दर्ज किए गए हैं। इस बीच, बेंगलुरु मध्य डिवीजन में, इस ड्राइव के दौरान 63 बच्चों को बचाया गया, पुलिस ने बताया कि



अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने अभियान का ब्लूप्रिंट पदाधिकारियों के सामने रखा और 16 जिलों में कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। अभियान का सबसे प्रमुख कार्यक्रम काशी से वडनगर तक

प्रस्तावित बाइक यात्रा होगी। 17 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों के जल से जलाभिषेक के बाद यात्रा शुरू होगी। लगभग 20 दिन की यात्रा सात अक्टूबर को वडनगर पहुंचेगी।

भाजपा इसे प्रधानमंत्री की कर्मभूमि काशी और जन्मभूमि वडनगर को जोड़ने वाले संदेश के रूप में पेश करेगी। भाजपा ने एक महोत्सव के अभियान को संगठन के 16 जिलों के साथ 71 विधानसभा क्षेत्रों, 337 मंडलों और 31,168 बूथों तक ले जाने की योजना बनाई है। बूथ स्तर पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम होगा। इसमें कार्यकर्ताओं के साथ युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की भागीदारी कानने की तैयारी है। सपनों का भारत कार्यक्रम के तहत स्कूलों में

विकसित भारत के संकल्प को लेकर गतिविधियां और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी।

गांवों में ग्राम चौपाल और सीधा संवाद : गांवों में ग्राम चौपाल और सीधा संवाद के जरिये लोगों से संपर्क किया जाएगा। अशोक चौरसिया ने बताया कि अभियान में 13 प्रमुख कार्यक्रम होंगे। इनमें नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र एवं घर-घर से राष्ट्र तक, राष्ट्रीय इन्वेन्शन चैलेंज और जनसेवा महाकुंभ शामिल हैं। बैठक में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नवतन राठी, अखंड सिंघ, संतोष सोलापुरकर, शैलेंद्र मिश्रा, सोनू पंडित समेत अन्य मौजूद रहे।

मोहन भागवत बोले- यशस्वी बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण है मनुष्य का सार्थक बनना

जोधपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि जीवन में सतत प्रयास हमेशा सफल होते हैं। उन्होंने देश की बढ़ती ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत पहले भी अच्छी बातें करता था, लेकिन तब कोई सुनता नहीं था। आज वैश्विक पटल पर भारत की बात इसलिए सुनी जा रही है क्योंकि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से हमारा बल बढ़ा है। पूरी दुनिया हमेशा बलवान को ही देखती और पूजती है, इसलिए व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक, सभी का शक्तिशाली होना पहली आवश्यकता है। हमें एक ऐसा भारत बनाना है जो उड़ाने के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व का कल्याण करने के लिए खड़ा हो।

संघ प्रमुख शनिवार को नागीर के गोटेन स्थित एलके सिंघानिया एनुकेशन सेंटर के 37वें वार्षिक पुस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। सतत प्रयासों से साकार हुआ राम मंदिर का सपना: समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा, 'हम तीस साल से राम मंदिर के लिए संघर्ष करते रहे। कई बार हमें विचार आता था कि यह कब पूरा होगा? लेकिन हमारे रज्जू भैया हमेशा कहते थे कि प्रयास करते रहो, यह जरूर होगा। आखिरकार वह सपना सच हो गया। इसलिए हमें कभी प्रयास नहीं छोड़ना चाहिए,' उन्होंने भाव्य और कर्म का सिद्धांत समझाते हुए कहा कि सफलता की कोई गारंटी नहीं ले सकता, मनुष्य के हाथ में सिर्फ पूरी ईमानदारी से निदोष प्रयास करना है। जैसे 'माली सींचे सी घड़ा, ऋतु आने पर ही फल होय', वैसे ही ऋतु का आना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन प्रयास जारी रहने चाहिए। क्रांतिकारियों का बलिदान कभी असफल नहीं था: संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया की नजर में 1857 का स्वतंत्रता संग्राम



भले ही असफल रहा हो, लेकिन वही आंदोलन आगे चलकर 1942 और 1947 की आजादी की नींव बना. उन्होंने भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद का उदाहरण देते हुए कहा, 'इन क्रांतिकारियों ने अपनी आंखों से देश की आजादी नहीं देखी और पहले ही शहीद हो गए. दुनिया इन्हें असफल कह सकती है, लेकिन वास्तव में वे सार्थक हुए थे. मनुष्य के लिए यशस्वी होने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसका सार्थक बनना है.' शिक्षा में कौशल का समावेश होना आवश्यक: उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल फिक्ताबी ज्ञान या पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होनी चाहिए. मन, बुद्धि और ज्ञान की असली शक्ति शिक्षा से ही मिलती है. शिक्षा का उद्देश्य केवल सिलेबस पूरा करना नहीं, बल्कि मनुष्य को पढ़ाना है. धर्म हमेशा मनुष्य के आचरण से चलता है और वह आचरण सिखाने वाला शिक्षक होता है. उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी शिक्षा में कौशल का समावेश होना आवश्यक है ताकि बच्चों को भविष्य में आत्मनिर्भर बनने के लिए कहीं हाथ न फैलाना पड़े. कबड्डी सिर्फ खेल नहीं, जीवन का गहरा दर्शन है: समारोह में बच्चों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षा में भले ही सुर और ताल न पड़े जाएं, लेकिन यह कला संस्कार सिखाती है. कला का उद्देश्य हमेशा 'सत्यम शिवम सुंदरम्' होना चाहिए।



पाकिस्तान का शर्मनाक रिकॉर्ड: विदेश में पिछले 12 टेस्ट में जीता महज एक

लंदन, एंजोसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का 0-3 से सफाया सिर्फ एक और सीरीज हार नहीं है। इस हार ने टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की लगातार बिगड़ती स्थिति की कई परतें खोल दी हैं। घर से बाहर टीम की हालत इतनी खराब है कि पिछले 12 टेस्ट में उसे सिर्फ एक जीत मिली है। इंग्लैंड में मिली इस हार के साथ पाकिस्तान ने पिछले चार साल में तीन या उससे ज्यादा मैचों वाली 12 टेस्ट सीरीज में छठी बार क्लीन स्वीप झेला है, लेकिन कहानी सिर्फ इन आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इस सीरीज में बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और साझेदारियों तक ऐसे कई रिकॉर्ड बने, जिन्होंने पाकिस्तान के संकट की तस्वीर और साफ कर दी।

1. चार साल में छठी बार पाकिस्तान का सफाया

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इससे पहले 2022 में पाकिस्तान में खेली गई तीन मैचों की सीरीज में भी इंग्लैंड ने उसका सफाया किया था। पाकिस्तान पिछले चार वर्षों में दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में छह बार क्लीन स्वीप हो चुका है। यानी पिछली 12 ऐसी टेस्ट सीरीज में आधी बार पाकिस्तान का पूरी तरह सफाया हुआ है।

2. विदेश में 12 टेस्ट में सिर्फ एक जीत

पाकिस्तान का विदेशी जमीन पर खराब प्रदर्शन भी चिंता बढ़ा देने वाला है। पिछले 12 विदेशी टेस्ट मैचों में टीम को सिर्फ एक जीत मिली है, जबकि उसे 11 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। यह रिकॉर्ड बताता है कि पाकिस्तान के लिए



घर से बाहर टेस्ट क्रिकेट में चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

3. आठ टेस्ट सीरीज में नहीं लगा एक भी शतक

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा सका। यह पाकिस्तान की उस खराब बल्लेबाजी की तस्वीर है, जो लंबे समय से टीम की परेशानी बनी हुई है। कुल मिलाकर आठ ऐसी टेस्ट सीरीज हो चुकी हैं जिनमें कोई व्यक्तिगत शतक नहीं लगा। इंग्लैंड में ऐसा सिर्फ एक और बार हुआ था- 1888 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में।

4. बिना शतक वाली सीरीज में 20 अर्धशतक

दिलचस्प बात यह है कि शतक नहीं लगने के बावजूद इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक बने। बिना किसी शतक वाली टेस्ट सीरीज में यह सबसे ज्यादा अर्धशतकों का रिकॉर्ड है। बर्मिंघम

टेस्ट में ही 11 अर्धशतक लगे, जो किसी टेस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा हैं।

5. ओली रॉबिन्सन का गेंदबाजी औसत 8.76

इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने इस सीरीज में 20 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में 8.76 के औसत से छठा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत दर्ज किया। उनसे बेहतर औसत रखने वाले सभी पांच गेंदबाज इंग्लैंड के ही रहे हैं। इनमें सबसे हालिया नाम टोनी लॉक का है, जिन्होंने 1958 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.47 के औसत से 34 विकेट लिए थे।

6. शुरुआती दो विकेटों की साझेदारी सिर्फ 4.66

पाकिस्तान के लिए बल्लेबाजी में सबसे बड़ी चिंता उसकी शुरुआत रही। सीरीज की छह पारियों में टीम के पहले दो विकेटों के लिए कुल 56 रन ही बने। इस तरह पहले दो

विकेटों की साझेदारी का औसत सिर्फ 4.66 रहा, जो कम से कम पांच पारियों वाली किसी टेस्ट सीरीज में किसी भी टीम का सबसे खराब औसत है।

7. जोरूट के लिए घरेलू सीजन में फिर शतक का सूखा

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जोरूट 2026 में घरेलू टेस्ट सीजन में अब तक शतक नहीं लगा सके हैं। यह तीसरा घरेलू टेस्ट सीजन है जब रूट के नाम एक भी शतक नहीं है। इससे पहले 2019 और 2020 में भी वह घरेलू टेस्ट सीजन में शतक नहीं लगा पाए थे। 2026 में रूट ने छह टेस्ट में 33.50 के औसत से रन बनाए हैं। यह किसी कैलेंडर वर्ष में उनका दूसरा सबसे कम औसत है। उनका सबसे खराब औसत 2019 में 29.83 रहा था।

8. रूट को आठ बार एलबीडब्ल्यू किया गया

2026 के टेस्ट सीजन में रूट 11 पारियों में आठ बार एलबीडब्ल्यू आउट हुए हैं। किसी टेस्ट सीजन में किसी बल्लेबाज के लिए एलबीडब्ल्यू आउट होने का यह सबसे ज्यादा आंकड़ा है। पाकिस्तान के रजाउल्लाह ने अपने टेस्ट डेब्यू की दूसरी पारी में नौ छक्के लगाए। किसी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट डेब्यू की पारी में लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के मामले में यह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी की बराबरी की, जिन्होंने 2008 में नेपियर में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में नौ छक्के लगाए थे।

हॉकी टीम को 3 लाख का कैश प्राइज



नई दिल्ली। भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन - भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीमने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बेटिंग कोच होंगे



नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रैंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बेटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

- **जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची** - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।
- **युवराज सिंह पहले ही बने बेटिंग कोच** - दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बेटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।
- **हेड कोच की तलाश जारी** - बॉलिंग और बेटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रैंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

● इंटर मियामी को 2-2 पर रोका

बासिलोना। इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।



सैम सरिज ने दो गोल किए - नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइफल बन गए हैं। दोनों टीमों ने अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े गैलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का 14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन - इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवार्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर - इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन - नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को न्यू स्टैडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

अलीरेजा ने किया बड़ा धमाका, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को हराया



बेंगलुरु। ग्लोबल चैस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्फिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्फाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गेंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात - टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हरा देने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया। जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

टूर्नामेंट के 10वें दिन विश्वनाथन आनंद की अलास्कन नाइट्स और त्रिवेणी कॉन्फिनेंटल किंग्स फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थीं। हालांकि, अलास्कन नाइट्स ने अपने आखिरी मैच में टेबल-टॉपर गेंगेज ग्रैंडमास्टर्स को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

कतर क्लासिक स्क्वॉश: अनाहत सिंह ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

- **दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी** - मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।
- **प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला** - पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।
- **मैच केटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजर** - पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा - अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

● कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया

● सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाब लीग में जड़ा शतक

मोहाली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी - 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिंहराम सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-



105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को घुसत कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पटानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धजियां उड़ा दीं। सलिल और पटानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

रविवार को अमृतसर सू्रमाओं से होगा

फाइनल मुकाबला - कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सू्रमाओं

से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अशदीप सिंह और अधिपेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

गहारा प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सभी समिति प्रतिनिधियों और सदस्यों से ऋणों की वसूली में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया ताकि बैंक और उससे जुड़ी समितियाँ आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत हो सकें। कार्यक्रम के अंत में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.के. कनौजिया ने आभार व्यक्त किया और शाखा प्रबंधक मिनत श्रीवास्तव ने मंच का सफल संचालन किया। इस ऐतिहासिक आयोजन में लेखा प्रबंधक अमन सिंह, समस्त शाखा प्रबंधक, बैंक कर्मचारी, समिति प्रबंधक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामन्याय नगरिक व पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन एवं एएनसी जांच सुनिश्चित करें : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बालाघाट जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की

बालाघाट में स्वास्थ्य सेवाओं की शत प्रतिशत पहुंच और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

अंतर्वभागीय समन्वय से पेयजल एवं बाल पोषण व्यवस्था को करें सशक्त

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालाघाट जिले में स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट के पूरे क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवाओं से प्रभावी रूप से कवर करना है। कोई भी पात्र व्यक्ति स्वास्थ्य सुविधा से वंचित न रहे और प्रत्येक स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत एवं जवाबदेह बनाया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं

चिकित्सा शिक्षा श्री सुखवीर सिंह, आयुक्त श्री धनराज एस, एमडी एनएचएम डॉ सलोनी सिडाना एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट जिले के प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहें हैं। स्वास्थ्य अधोसंरचना के सशक्तीकरण के लिए आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे में लाते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और पहुंच को और बेहतर बनाया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बालाघाट नक्सल प्रभावित क्षेत्र से मुक्त हुआ है। ऐसे क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। स्थानीय

लोगों को स्वास्थ्य जागरूकता अभियान से जोड़ते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन हो तथा सभी एएनसी समय पर हों, यह सुनिश्चित किया जाए। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (।।।।।) वाली गर्भवती महिलाओं को समय पर चिन्हित कर उनका नियमित फॉलोअप किया जाए तथा आवश्यकता के अनुसार उन्हें उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार एवं प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता में मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिकारियों द्वारा मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों को निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया जाए। उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ निर्धारित ईसैंटिव का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए।



उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का दौरा करें, स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्याओं को समझें और उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जिले में स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनाटाइड फंड आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराया गया है। इसका उपयोग स्थानीय स्तर की आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए किया जा सकता है। विशेष रूप से आवश्यक परिवहन, आकस्मिक दवाओं, उपकरणों तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इसका नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जन्मजात बीमारियों से प्रभावित बच्चों की पहचान एवं उपचार पर विशेष ध्यान दिया जाए। जन्मजात हृदय रोग, क्लेफ्ट लिप, क्लब फुट आदि समस्याओं

से प्रभावित बच्चों को चिन्हित कर उनकी आवश्यक सर्जरी एवं उपचार समय पर कराया जाए। उन्होंने कहा कि आरबीएसके के अंतर्गत पात्र बच्चों की आवश्यक सर्जरी एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां नियमित टीकाकरण व्यवस्था के माध्यम से शत-प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने में कठिनाई हो, वहां आवश्यकता के अनुसार हायर्ड वैक्सीनेटर तथा ऑल्टरनेट वैक्सीन डिलीवरी (।।।।।) जैसी व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाए। दूरस्थ एवं कठिन पहुंच वाले क्षेत्रों में विशेष रणनीति बनाकर टीकाकरण का लक्ष्य पूरा किया जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को जनभागीदारी से मजबूत किया जाए। पंचायतों को सुमन पंचायत बनने के लिए प्रेरित करें और स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने में

सक्रिय रूप से शामिल करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच केवल विभागीय प्रयासों से नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से अधिक प्रभावी बनाई जा सकती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले की आवश्यकता के अनुसार मानव संसाधन, दवाएं, उपकरण, परिवहन एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन स्तर से आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करें। विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान एवं फॉलोअप, संस्थागत प्रसव और जन्मजात बीमारियों से प्रभावित बच्चों के उपचार को सर्वोच्च

प्राथमिकता दी जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बालाघाट में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकतानुसार सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। जिले में 67 मेडिकल ऑफिसर की पदस्थापना की गई है, इनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्वास्थ्य संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के लिए 2 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही 2 नए पीएचसी, 1 एसएचसी एवं 2 एमएमयू की स्वीकृति के निर्देश दिए हैं। अन्य आवश्यकताओं की भी प्राथमिकता से पूर्ति की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अंतर्विभागीय समन्वय से पेयजल एवं बाल पोषण सेवाओं को सशक्त किया जाए। आंगनवाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ करने के साथ बच्चों एवं हितग्राहियों का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। आवश्यकतानुसार आशा एवं एएनएम के पदों की भी स्वीकृति दी जाएगी।

रोजगार मेला कन्या महाविद्यालय में 16 सितंबर को

रीवा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा में 16 सितंबर को वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में रीवा जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार मेले में 20 कंपनियों द्वारा युवाओं का वयन किया जाएगा। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाले युवाओं के पंजीयन सुबह 10 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। मेले

में शामिल होने वाले युवाओं के लिए आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए युवाओं की आयु 18 से 38 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, एमबीए, समस्त ट्रेडों से आईटीआई उत्तीर्ण तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त युवा रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। वेतन एवं भत्ते 12 हजार रुपये से 25 हजार रुपये कंपनीवाइज अलग-अलग निर्धारित किया गया है। रोजगार मेले में आने वाले युवाओं को

अपने साथ समग्र आईडी, मूल अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लाना अनिवार्य होगा। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में वेलेस्पन कॉर्प लि. अंजर गुजरात, वर्धमान यार्न्स सतलापुर मण्डीदीप भोपाल, एमआरएफ टायर्स दाहेज गुजरात, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, यूनो मिंडा ईवी सिस्टम गुरुग्राम हरियाणा, एचडीएफसी लाइफ

इंश्योरेंस रीवा, देखभाल रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बैंगलोर, बैंक आफ बड़ौदा क्रेडिट कार्ड, गोकुलदास एक्सपोर्ट्स लि. बैंगलोर, आईटीसी लिमिटेड, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा. लि. रीवा, ट्राइडेंट कंपनी बुधनी गुजरात, एक्सस्लेपिएस वेलेन्स प्रा. लि. रीवा, एसबीआई क्रेडिट कार्ड म.प्र., वेयर हाउस, सीआईआई माडल करियर सेंटर, फोकसकार्न कंपनी बैंगलोर तथा प्रतिभा सिरिस्का प्रा. लि. पीथमपुर इंदौर की कंपनियां शामिल हो रही हैं।

राज्य मंत्री जायसवाल आज आयेंगे रीवा

रीवा। श्री दिलीप जायसवाल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग 14 सितंबर को रीवा आयेंगे। श्री जायसवाल 14 सितंबर को सुबह 10 बजे बिजुरी जिला अनूपपुर से कार द्वारा प्रस्थान कर जनकपुर, वनसुपली व्योहारी होते हुए दोपहर 3 बजे रीवा पहुंचेंगे। श्री जायसवाल शाम 4 बजे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटलकुंज रीवा में सेवा संकल्प अभियान के संबंध में आयोजित पत्रकारवार्ता में शामिल होंगे। श्री जायसवाल रात 7.50 बजे रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

स्वामित्व योजना से 20 हजार से अधिक भू-स्वामियों को मिलेंगे पंजीयन प्रमाण पत्र

रीवा। प्रदेश के साथ-साथ रीवा जिले में भी स्वामित्व योजना के तहत पात्र भू-स्वामियों को अभियान चलाकर स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन प्रमाण पत्र दिये जायेंगे। इसके लिए जिले भर में 17 सितंबर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में 20 हजार से अधिक भू-स्वामियों को स्वामित्व योजना से अधिकार अभिलेख पंजीयन प्रमाण पत्र दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष पहल पर पात्र हितग्राहियों का चयन करके अधिकार पत्र प्रदान किये जा रहे हैं। इसके लिए पंजीयन विभाग

की संपदा पोर्टल का उपयोग किया जायेगा। पटवारी तथा भूस्वामी सारा एप पर ई केवाईसी दर्ज करेंगे। नायब तहसीलदार तथा तहसीलदार पोर्टल के माध्यम से पंजीयन प्रमाण पत्र प्रमाणित करके जारी करेंगे। भूस्वामी को उसके मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

कलेक्टर ने बताया कि पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान के तहत सभी तहसीलों में तीन चरणों में तीन-तीन दिवसीय शिविर लगाये जा रहे हैं। प्रथम चरण में 17 सितंबर, 18 और 19 सितंबर को शिविर लगेंगे।

इसके बाद 24, 25 और 26 सितंबर को शिविर लगेंगे। तीसरे और अंतिम चरण में एक, दो और तीन अक्टूबर को शिविर लगेंगे। इन शिविरों में स्वामियों की ईकेवाईसी अपडेट की जायेगी। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, एडीईओ की इट्यूटी लगाई गयी है। शिविर समाप्त होने के सात दिन के अंदर भूस्वामियों को पंजीयन प्रमाण पत्र जारी कर दिये जायेंगे। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को पंजीयन प्रमाण पत्र तैयार करने तथा वितरण के संबंध में समुचित तैयारी के निर्देश दिए हैं।

भूमि आवंटन के संबंध में आपत्ति 17 सितम्बर तक

रीवा। नायब तहसीलदार हुजूर नगर यतशी शुक्ला ने बताया है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा शासकीय भूमि आवंटन का आवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। इसके लिए कलेक्टर न्यायालय में ग्राम बोदा की शासकीय भूमि नम्बर 1225/1 रकबा 0.02 हेक्टेयर एवं भूमि

क्रमांक 1228/1 रकबा 0.125 हेक्टेयर के आवंटन के लिए आवेदन किया गया है। इस भूमि के आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह 17 सितम्बर तक नायब तहसीलदार हुजूर नगर कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकता है। आपत्ति के निराकरण के बाद भूमि आवंटन की कार्यवाही की जाएगी।

पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा के लिए आवेदन 25 सितम्बर तक

मऊर्गज। प्रदेश के पत्रकारों एवं फोटोग्राफर्स को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। स्वास्थ्य बीमा अधिकतम चार लाख और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा अधिकतम 10 लाख रुपये का होगा। प्रदेश के 21 से 70 वर्ष की आयु के सभी पत्रकार इसके लिए पात्र होंगे। समूह बीमा योजना का लाभ अधिमान्य पत्रकारों तथा ऐसे गैर अधिमान्य पत्रकारों को दिया जाएगा

जिन्हें संबंधित संस्थान द्वारा फार्म 16 एवं पीपीएफ कटौती स्लिप दी जाती है। मध्यप्रदेश के मूल निवासी एवं नई दिल्ली में कार्यरत पत्रकारों को भी इसकी पात्रता है। योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। बीमा के संबंध में जानकारी जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट एमइन्फो डॉट ओआरजी पर उपलब्ध है। बीमा योजना के तहत 65 वर्ष से अधिक आयु के पत्रकारों का पूरा

प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। गैर अधिमान्य पत्रकारों के लिए 50 प्रतिशत प्रीमियम पत्रकार द्वारा और 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। इस श्रेणी में दैनिक समाचार पत्र के चार, साप्ताहिक, पार्थिक और मासिक समाचार पत्र और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं जनसम्पर्क विभाग तथा डीएचडीपी में पंजीकृत वेब मीडिया के दो-दो पत्रकार पात्र होंगे। प्रीमियम की

राशि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम बैंक ऑफ इंडिया, सचिवालय ब्रांच, एमपी नगर, भोपाल सचिवालय खाता क्रमांक 90052010000291, आईएफएस कोड बीकेआईडी 0009005 पर जमा होगी। इस संबंध में किसी भी तरह की कठिनाई होने पर एसपी नाग वरिष्ठ मण्डल प्रबंधक भोपाल मोबाइल नम्बर 9677245634 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव, पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस रीवा में युवा संपर्क कार्यक्रम आयोजित

रीवा। मेरा युवा भारत, रीवा द्वारा पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, रीवा में नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत विषय पर विकसित भारत युवा संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत@2047 के संकल्प से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त

भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन कुलदीप सिंह, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, रीवा द्वारा किया गया। महाविद्यालय की ओर से डॉ. संजय वर्मा, सहायक प्राध्यापक कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रहे तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रीवा में नशे के खिलाफ बड़ा प्रहार

चोरहटा पुलिस ने पकड़ा 62 किलो गांजा, 22.73 लाख का मशरूका जप्त, 6 आरोपी गिरफ्तार

रीवा / चोरहटा। रीवा पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे 'प्रहार 2.0' अभियान के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल की है। थाना चोरहटा पुलिस और रीवा साइबर सेल की संयुक्त टीम ने दो वाहनों से परिवहन किया जा रहा 62.388 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने गांजा के साथ-साथ दो वाहन और 7 मोबाइल फोन भी जप्त किए हैं, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 22,73,820 रुपये है। मुखबिर को सूचना पर घेरावटी-ऑपरेशन प्रहार 2.0 के अंतर्गत 12 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बोलरो (एमपी 18बेडजी 4311) और एक टाटा बोल्ट कार (एमपी 18सीए 0716) के माध्यम से अवैध गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस

अधीक्षक (सिविल लाइन) डॉ. रितु उपाध्याय के नेतृत्व में चोरहटा थाना पुलिस और साइबर सेल ने बीटीडी एलराह, सतना-रोडा पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। तीन बोरियों में भरा था गांजा-सैकिंग के दौरान पुलिस ने सैठियन दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहनों से 3 बोरियों में कुल 62.388 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 9,35,820/- है।

गिरफ्तार आरोपीगण के नाम

शिवेन्द्र उर्फ यसू महारा (पिता नल्लु महारा, उम्र 26 वर्ष) विनित उर्फ ओम कुमार चौधरी (पिता नन्दलाल चौधरी, उम्र 36 वर्ष) सोहन उर्फ गुड्डू बैगा (पिता जीतलाल बैगा, उम्र 35 वर्ष) नीरत्र महारा (पिता विहारी महारा, उम्र 26 वर्ष) सन्त उर्फ गुड्डू सिंह कर्तुली (पिता सुरेन्द्र सिंह कर्तुली, उम्र 42 वर्ष) कमलेश उर्फ भोला महारा (पिता नन्दलाल महारा, उम्र 30 वर्ष) (सभी आरोपी हथाला, थाना बुढ़ुर, जिला शहडोल के निवासी हैं) जप्त कुल मशरूका विवरण में सफेद बोलरो वाहन (एमपी 18बेडजी 4311) कीमत 8,00,000/- टाटा बोल्ट कार (एमपी 18सीए 0716) कीमत 5,00,000/- 62.388 किलोग्राम गांजा (3 बोरियों में) कीमत 9,35,820/- विभिन्न कंपनियों के 07 मोबाइल फोन कुल कीमत 38,000/- कुल जप्त मशरूका में लाम्भा 22,73,820/- यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक रीवा जेन श्री गौरव राजपूत और उपमहानिरीक्षक रीवा रंज श्री हेमन्त सिंह चौहान के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरुराम सिंह व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना मरावी के निदेशन में की गई।

प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना जारी है।

मिट्टी से निर्मित प्रतिमाएं पर्यावरण के अनुकूल होती हैं तथा इनके विसर्जन से जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलती है। उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया कि गणेश उत्सव को आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का पर्व भी बनाएं। परिवार के सदस्य मिलकर मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा तैयार करें और बच्चों को भी इस पहल से जोड़ें, ताकि उनमें प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो। माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के माध्यम से जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा जनभागीदारी का संदेश दिया जा

माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का दिया जा रहा संदेश

गणेश उत्सव में घर-घर मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने की कलेक्टर ने की अपील

मऊर्गज। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण प्रदेश में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य गणेश उत्सव के माध्यम से जन-जन तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाना और नागरिकों को पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिलेवासियों से अपील की है कि गणेश उत्सव के दौरान अपने घरों में मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाकर स्थापित करें। उन्होंने कहा कि

मिट्टी से निर्मित प्रतिमाएं पर्यावरण के अनुकूल होती हैं तथा इनके विसर्जन से जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलती है। उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया कि गणेश उत्सव को आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का पर्व भी बनाएं। परिवार के सदस्य मिलकर मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा तैयार करें और बच्चों को भी इस पहल से जोड़ें, ताकि उनमें प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो। माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के माध्यम से जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा जनभागीदारी का संदेश दिया जा

रहा है। अभियान को सफल बनाने में सभी नागरिकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का दिया जा रहा संदेश प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण

प्रदेश में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य गणेश उत्सव के माध्यम से जन-जन तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाना और नागरिकों को पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिलेवासियों से अपील की है कि गणेश उत्सव के दौरान अपने घरों में मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाकर स्थापित करें। उन्होंने कहा कि मिट्टी से निर्मित प्रतिमाएं पर्यावरण के अनुकूल होती हैं तथा इनके विसर्जन से जल स्रोतों को प्रदूषण

से बचाने में मदद मिलती है। उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया कि गणेश उत्सव को आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का पर्व भी बनाएं। परिवार के सदस्य मिलकर मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा तैयार करें और बच्चों को भी इस पहल से जोड़ें, ताकि उनमें प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो। माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के माध्यम से जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा जनभागीदारी का संदेश दिया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने में सभी नागरिकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है।